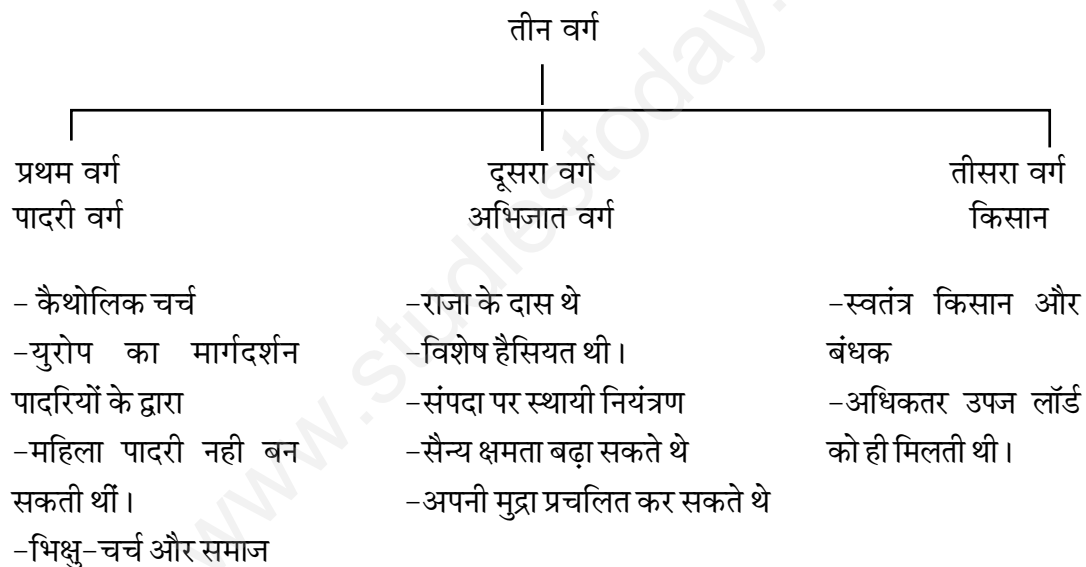


विषय-६

तीन वर्ग

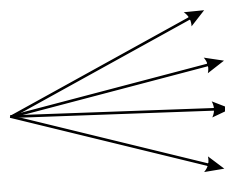
नौवीं और सोलहवीं सदी के मध्य पश्चिमी यूरोप में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन हुए। रोमन साम्राज्य के पतन के पश्चात पूर्वी एवं मध्य यूरोप के अनेक जर्मन मूल के समूहों ने इटली स्पेन और फ्रांस के क्षेत्रों पर अधिकार कर लिया था।

यह तीन वर्ग, तीन सामाजिक श्रेणियों से हैं : ईसाई पादरी, भूमिधारक अभिजात वर्ग और कृषक “सामंतवाद” शब्द जर्मन शब्द “फ्यूड” से बना है जिसका अर्थ “एक भूमि का टुकड़ा है” और यह एक ऐसे समाज को इंगित करता है जो मध्य फ्रांस और बाद में इंग्लैंड और दक्षिणी इटली में भी विकसित हुआ।



मेनर की जागीर → पाठ्यपुस्तक पृ० सं० १३६ (संदर्भ)

सामाजिक और आर्थिक संबंधों को प्रभावित करने वाले कारक



पर्यावरण
भूमि का उपयोग
नयी कृषि प्रौद्योगिकी
शहरीकरण

कथीड्रल-नगर :

बारहवीं सदी से फ्रांस में कथीड्रल कहलाने वाले बड़े चर्चों का निर्माण होने लगा। वे मठों की संपत्ति थे। पत्थर के बने होते थे। कथीड्रल के आसपास का क्षेत्र और अधिक बस गया। वे तीर्थ-स्थल बन गए। उनके चारों तरफ छोटे नगर विकसित हुए। दिन के वक्त सूरज की रोशनी उन्हें कथीड्रल के अंदर के व्यक्तियों के लिए चमकदार बना देती थी और सूर्यास्त के प्रशान्त मोमबत्तियों की रोशनी उन्हें बाहर के व्यक्तियों के लिए दृश्यमान बनाती थी।

चौदहवीं सदी का संकट :

यूरोप का आर्थिक विस्तार धीमा पड़ गया। ऐसा तीन कारकों की वजह से हुआ।

- १। उत्तरी यूरोप में, तेरहवीं सदी के अंत तक पिछले तीन सौ वर्षों की तेज ग्रीष्म ऋतु का स्थान तीव्र ठंडी ग्रीष्म ऋतु ने ले लिया था। पैदावार वाले मौसम छोटे हो गए।
- २। ऑस्ट्रिया और सर्बिया की चांदी की खानों के उत्पादन में कमी के कारण धातु-मुद्रा में भारी कमी आई जिससे व्यापार प्रभावित हुआ।
- ३। दूर देशों से व्यापार करने वाले पोत यूरोपीय तटों पर आने लगे। पोतों के साथ-साथ चूहे आए-जो अपने साथ ब्यूबोनिक प्लेग जैसे महामारी का संक्रमण लाए।

राजनीतिक परिवर्तन :

पंद्रहवीं और सोलहवीं सदियों में यूरोपीय शासकों ने अपने सैनिक एवं वित्तीय शक्ति को बढ़ाया। नए शासक फ्रांस में लुई ग्यारहवें, आस्ट्रिया में मैक्समिलन, इंग्लैंड में हेनरी सप्तम और स्पेन में इसाबेली और फरडीनेंड निरकुश शासक थे।

स्रोत :

फ्रांस में नेमूर का दुर्ग, इंग्लैंड के सल्लिबरी कथीड्रल इंग्लैंड का हेवर दुर्ग, चासर के द्वारा लिखी “कैंटरबरी टेल्स”

समय रेखा :

फ्रांस का प्रारंभिक इतिहास-	संदर्भ	- पाठ्य	पुस्तक	पृ० सं०	१३४
ग्यारहवीं से चौदहवीं शताब्दियों में	”	”	”	”	१४४
नए शासक	”	”	”	”	१५०

विशेष शब्द**सामंतवाद**

यह जर्मन शब्द “फ्यूड” से बना है जिसका अर्थ “एक भूमि का टुकड़ा है” और यह एक ऐसे समाज को इंगित करता है जो मध्य फ्रांस और बाद में इंग्लैंड और दक्षिणी इटली में भी विकसित हुआ।

ऑबे

आबे शब्द सीरिया के अबा से लिया गया है जिसका अर्थ पिता है। ऐबी, एबट या एबेस से संचालित था।

डून दे मयान्स

तेरहवीं सदी में गाई जाने वाली फ्रांसीसी कविता “डून दे मयान्स” जो नाइटों के साहस की याद दिलाती है।

मोनेस्ट्री

मोनेस्ट्री शब्द ग्रीक भाषा के शब्द “मोनेस” से बना है जिसका अर्थ है ऐसा व्यक्ति जो अकेला रहता हो।

ब्लैक डेथ

यूरोपीय तटों पर पोतों के साथ-साथ चूहे आए जो अपने साथ ब्यूबोनिक प्लेग जैसी महमारी का संक्रमण लाए। यह १३४७ और १३५० के मध्य में हुआ।

चौथा वर्ग

बड़े नगरों की जनसंख्या लगभग तीस हजार होती थी। ये कहा जा सकता है कि उन्होंने समाज में एक चौथा वर्ग बना लिया था।

आदर्श प्रश्न

२ अंक प्रश्न हैं :

- १। “सामंतवाद” शब्द का अर्थ क्या है ?
- २। प्रथम वर्ग के अंतर्गत कौन-कौन आते थे ?
- ३। “मोनेस्ट्री” से आप क्या समझते हैं ?
- ४। कथीडल किसे कहते हैं ?
- ५। ब्लैक डेथ से आप क्या समझते हैं ?

५ अंक वाले प्रश्न

- १। मध्याकालीन मठों के क्या कार्य थे ?
- २। नाइट एक अलग वर्ग क्यों बने ?
- ३। चर्च और समाज के बीच क्या संबंध था ?
- ४। मेनर की जागीर के बारे में वर्णन कीजिए ?
- ५। कथीडल-नगर के बारे में लिखिए ?

१० अंक वाला प्रश्न :

- १। चौदहवीं सदी के संकट के बारे में लिखिए।
- २। सामाजिक और आर्थिक संबंधों को प्रभावित करने वाले कारक क्या थे ?
- ३। फ्रांसीसी समाज के तीन वर्गों का वर्णन कीजिए।

आदर्श उत्तर वाले प्रश्न

२ अंक वाले प्रश्न :

- १। “सामंतवाद” शब्द का अर्थ क्या है ?

उत्तर: यह जर्मन शब्द ‘फ्यूड’ से बना है जिसका अर्थ “एक भूमि का टुकड़ा है” और यह एक ऐसे समाज को इंगित करता है जो मध्य फ्रांस और बाद में इंग्लैंड और दक्षिणी इटली में भी विकसित हुआ।

५ अंक वाले प्रश्न :

- १। कथीड्रल –नगर के बारे में लिखिए ?

उत्तर: क) बारहवीं सदी से फ्रांस में कथीड्रल कहलाने वाले बड़े चर्चों का निर्माण होने लगा।
ख) वे मठों की संपत्ति थे।
ग) कथीड्रल पत्थर के बने होते थे।
घ) कथीड्रलों के आसपास का क्षेत्र और अधिक बस गया और वे स्थान तीर्थ-स्थल बन गए।
ङ) उनके चारों तरफ छोटे नगर विकसित हुए।

१० अंक वाले प्रश्न :

- १। चौदहवीं सदी का संकट के बारे में लिखिए ?

उत्तर: क) चौदहवीं सदी की शुरुआत तक, यूरोप का आर्थिक विस्तार धीमा पड़ गया।
ख) तेरहवीं सदी के अंत तक पिछले तीन सौ वर्षों की तेज ग्रीष्म ऋतु का स्थान तीव्र ठंडी ग्रीष्म ऋतु ने ले लिया था।
ग) पैदावार वाले मौसम छोटे हो गए।
घ) तूफानों और सागरीय बाढ़ों ने उनके फार्म प्रतिष्ठानों को नष्ट कर दिया
ङ) चरागाहों की कमी के कारण पशुओं की संख्या में कमी आ गई।
च) जनसंख्या वृद्धि इतनी तेजी से हुई कि उपलब्ध संसाधन कम पड़ गए जिसका तात्कालिक परिणाम था अकाल।
छ) ऑस्ट्रिया और सर्बिया की चाँदी की खानों के उत्पादन में कमी के कारण धातु-मुद्रा में भारी कमी आई जिससे व्यापार प्रभावित हुआ।

- ज) यूरोपीय तटों पर आने वाले पोतों के साथ-साथ चूहे आए जो अपने साथ ब्यूबोनिक प्लेग जैसी महामारी का संक्रमण लाए।
- झ) इस विनाशलीला के साथ आर्थिक मंदी के जुड़ने से व्यापक सामाजिक विस्थापन हुआ।
- ञ) कृषि और उत्पादन के बीच गंभीर असंतुलन उत्पन्न हो गया।

चौथा वर्ग

कृषि में विस्तार प्रतिस्पर्धा करने लगे।— पाठ्य पुस्तक की - पृ० सं० १४४ तथा १४५

- १। नगरों में लोगों ने लॉर्डों को कर क्यों दिए। २
- उत्तर: नगरों में लोग, सेवा के स्थान पर उन लॉर्डों को जिनकी भूमि पर नगर बसे थे, कर देने लगे।
- २। बड़े नगरों की जनसंख्या क्या थी? २
- उत्तर: लगभग ३०,०००
- ३। “श्रेणी सभागार” क्या है? २
- उत्तर: यह आनुष्ठानिक समारोहों के लिए था।
- ४। स्कैंडिनेविया के व्यापारी क्या व्यापार करते थे? २
- उत्तर: वस्त्र के बदले में फर और शिकारी बाज लेते थे।

